3

TERM-1
SAMPLE PAPER
SOLVED

हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय : 90 मिनट *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश : सैंपल पेपर 1 में दिये गये निर्देशानुसार।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

अंक-10

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—(1 × 5 = 5)

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

सुबुद्ध वक्ता अपार जनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केन्द्रबिन्दु बन जाता है। बोलने का विवेक, बोलने की कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है, उसका आकर्षण है। जो लोग अपनी बात को राई का पहाड़ बनाकर उपस्थित करते हैं, वे एक ओर जहाँ सुनने वाले के धैर्य की परीक्षा लिया करते हैं, वहीं अपना और दूसरे का समय भी अकारण नष्ट किया करते हैं। विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से तथा ऐसे मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वालों से, जो उस प्रसंग में ठीक ही न बैठ रहे हों, लोग ऊब जाते हैं। वाणी का अनुशासन, वाणी का संयम और संतुलन तथा वाणी की मिठास ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल ही रहती है, तो मरने के पश्चात् भी लोगों को स्मृतियों में हमें अमर बनाए रहती है। हाँ, बहुत कम बोलना या सदैव चुप लगाकर बैठे रहना भी बुरा है। यह हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है। अतएव कम बोलो, सार्थक और हितकर बोलो। यही वाणी का तप है।

(क) व्यक्ति की शोभा और आकर्षण किसे बताया गया है?
- (i) बोलने की पटुता
- (ii) सुनने की पटुता
- (iii) पढ़ने की पटुता
- (iv) कहने की पटुता

(ख) किस प्रकार के व्यक्तियों से लोग ऊब जाते हैं?
- (i) अपनी बात अकारण खींचने वाले से
- (ii) विषय से हटकर बोलने वाले से
- (iii) कम बोलने वाले से
- (iv) अपनी बात अकारण न खींचने वाले से

(ग) वाणी में अनुशासन और संयम बनाए रखने को क्या कहा गया है?
- (i) वाणी का संतुलन
- (ii) वाणी की मिठास
- (iii) वाणी की सार्थकता
- (iv) वाणी का तप

(घ) बहुत कम बोलने का क्या दुष्परिणाम होता है?
- (i) हमारी प्रतिभा और तेज़ कुंद हो जाता है।
- (ii) हमारी वाणी असंतुलित हो जाती है।
- (iii) वाणी की मिठास अधिक हो जाती है।
- (iv) व्यक्ति वाचाल हो जाता है।

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक होगा
- (i) वाणी का संतुलन
- (ii) वाणी का तप
- (iii) वाणी की मिठास
- (iv) सार्थक वाणी

अथवा

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए

गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

तुलसी का 'रामचरितमानस' हिंदी-साहित्य की एक कालजयी रचना है। यह हिंदी का तो सबसे महत्त्व-पूर्ण और उत्कृष्ट महाकाव्य है ही, संसार के उत्कृष्ट महाकाव्यों में भी इसकी गणना की जाती है। संसार की लगभग सभी महत्त्वपूर्ण भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका है। इसमें वर्णित घटनाएँ और चरित्र तो महान हैं ही, इसका उद्देश्य भी महान है। राम की रावण पर विजय—असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय की प्रतीक है। मनुष्यत्व की राक्षसत्व पर सदैव विजय होती रहे, यह महान संदेश इसे कालातीत बनाता है। समस्त उत्तर भारत के संस्कारों के निर्माण में इस ग्रंथ का अमूल्य योगदान है। भक्ति और धर्म की दृष्टि से तो यह महान है ही, शुद्ध साहित्य की दृष्टि से भी यह उत्कृष्ट महाकाव्य है। इसे पढ़कर कहना पड़ता है—

'कविता करके तुलसी न लसे, लसी कविता पा तुलसी की कला।'

'रामचरितमानस' की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसकी रचना लोकभाषा अवधी में हुई है। अवधी में राम का चरित लिखने के कारण काशी के संस्कृत पंडितों ने तुलसी को बहुत धिक्कारा था और उन्हें अनेक यातनाएँ दी थीं। पंडितों का विचार था कि राम-कथा देववाणी संस्कृत में लिखी जानी चाहिए, किसी लोक भाषा में नहीं। उन्हें नहीं पता था कि अवधी में लिखी जाने के कारण यह कथा लोक में इतनी प्रिय होगी कि कोई दूसरी रचना उसकी समता नहीं कर पाएगी। आज लगभग साढ़े चार सौ वर्ष बाद भी उसकी लोकप्रियता कम नहीं हुई, बढ़ी ही है।

'मानस' की संवाद-शैली भी आकृष्ट करती है। मानस के चार घाटों पर बैठे चार वक्ता और चार श्रोता—कागभुशुंडि और गरुड़, याज्ञवल्क्य और भारद्वाज मुनि, शिव और पार्वती तथा तुलसीदास और पाठक के संवादों के माध्यम से कथा आगे बढ़ती है। तुलसी ने अपने समय की सभी विचारधाराओं, साधनाओं, भाषा एवं शैलियों का समन्वय कर इसे किसी एक संप्रदाय या जाति का ग्रंथ न बनाकर मानव-मात्र के कल्याण का ग्रंथ बना दिया है। उसमें समन्वय की विराट चेष्टा लक्षित होती है और इसी से तुलसी, महात्मा बुद्ध के बाद भारत के सबसे बड़े लोकनायक बन पाए हैं। उन्होंने निर्गुण और सगुण में, ज्ञान और भक्ति में, शैव और वैष्णव में, शैव और शक्ति में, लोक और शास्त्रों में, संस्कृत और लोकभाषा में तथा विविध काव्य-शैलियों में समन्वय कर अपने हृदय की विशालता और उदारता का परिचय दिया है। तुलसी सगुण के उपासक हैं किंतु सत्य को समझते हैं और कहते हैं—

अगुनहिं सगुनहिं नहिं कछु भेदा। उभय हरहिं भव संभव खेदा।

(क) कौन-सा महान संदेश रामचरितमानस को कालातीत बनाता है?
- (i) राम की रावण पर विजय
- (ii) वचन की प्रतिबद्धता
- (iii) मनुष्यत्व की राक्षसत्व पर विजय
- (iv) असत्य पर सत्य की विजय

(ख) रामचरितमानस हिंदी साहित्य की कैसी रचना है?
- (i) कालजयी (ii) कालमयी
- (iii) महान (iv) श्रेष्ठ

(ग) काशी के संस्कृत पंडितों ने तुलसी को क्यों धिक्कारा था?
- (i) क्योंकि उन्होंने काशी में रहकर रामचरितमानस की रचना नहीं की।
- (ii) क्योंकि उन्होंने रामचरितमानस की रचना अवधी भाषा में की थी।
- (iii) क्योंकि उनकी प्रसिद्धि कम हो गई थी।
- (iv) क्योंकि वो वहीं के रहने वाले थे।

(घ) तुलसी किस प्रकार की भक्ति के उपासक हैं?
- (i) निर्गुण (ii) ब्रह्मगुण
- (iii) सतगुण (iv) सगुण

(ङ) 'उदारता' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय लिखिए।
- (i) ता (ii) त
- (iii) रता (iv) उ

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— (1 × 5 = 5)

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत घन-नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का, किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुस्काता, नव आशा के दीप लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन।
मैं अटका कब-कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल,
रोक सकी पगले कब मुझको, यह युग की प्राचीर निबल।
आंधी हो, ओले वर्षा हो, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन मंडन।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

(क) 'क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये' पंक्ति में मेघ किसका प्रतीक हैं?
- (i) जीवन में आने वाली विघ्न-बाधाओं का
- (ii) जोरदार वर्षा करने वाले मेघों का
- (iii) सागर की गर्जना का
- (iv) ज्वालामुखी का

(ख) पद्यांश के अनुसार कवि ने हमेशा कौन-से रास्ते को चुना?
- (i) आसान रास्ते को
- (ii) संघर्षशील रास्ते को
- (iii) पर्वतीय रास्ते को
- (iv) रेतीले रास्ते को

(ग) युग की प्राचीर किसे कहा गया है?
- (i) युग की दीवारों को
- (ii) सागर की गर्जना को

(iii) संसार की बाधाओं को
(iv) सांसारिक सुखों को

(घ) पद्यांश में कवि की कौन-सी विशेषता पता चलती है?
(i) कवि साहसी और संघर्षशील है।
(ii) कवि बाधाओं से घबरा जाता है।
(iii) कवि मुसीबत से भागता है।
(iv) कवि लक्ष्य से भटक जाता है।

(ङ) 'उत्थान-पतन' में कौन-सा समास है?
(i) द्विगु समास
(ii) द्वंद्व समास
(iii) अव्ययीभाव समास
(iv) तत्पुरुष समास

अथवा

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

क्या करोगे अब?
समय का
जब प्यार नहीं रहा
सर्वसहा पृथ्वी का
आधार नहीं रहा
न वाणी साथ है
न पानी साथ है
न कही प्रकाश है स्वच्छ
जब सब कुछ मैला है आसमान
गंदगी बरसाने वाले
एक अछोर फैला है
कही चले जाओ
विनती नहीं है
वायु प्राणप्रद
आदमकद आदमी
सब जग से गायब है

(क) कवि ने धरती को कैसा बताया है?
(i) रत्नगर्भा (ii) आधारशिला
(iii) सर्वसहा (iv) माँ

(ख) 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है?
(i) मानवीयता से भरपूर आदमी
(ii) ऊँचे कद का आदमी
(iii) सम्पूर्ण मनुष्य
(iv) सामान्य आदमी

(ग) आसमान की तुलना किससे से की गयी है?
(i) समुद्र से
(ii) नीली झील से
(iii) पतंग से
(iv) गंदगी बरसाने वाले थैले से

(घ) प्राणदान का क्या तात्पर्य है?
(i) प्राणों को पूर्ण करने वाला
(ii) प्राण प्रदान करने वाला
(iii) प्राणों को प्रणाम करने वाला
(iv) प्राणों को छीन लेने वाला

(ङ) कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं?
(i) किसी के पास बात करने का समय नहीं
(ii) किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं
(iii) किसी को प्यार करने का समय नहीं
(iv) किसी को गप मारने का समय नहीं

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

अंक-16

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तथा उसका उत्साह बढ़ाया-वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा
(i) जब अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तब उसका उत्साह बढ़ गया।
(ii) अध्यापिका के प्रशंसा करने पर छात्रा का उत्साह बढ़ गया।
(iii) अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की इसलिए उसका उत्साह बढ़ गया।
(iv) अध्यापिका के द्वारा छात्रा की प्रशंसा करने पर उसका उत्साह बढ़ गया।

(ख) जो ईमानदार है वही सम्मान का सच्चा अधिकारी है—रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।
(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य
(iii) संयुक्त वाक्य (iv) संज्ञा उपवाक्य

(ग) ज्यों ही घंटी बजी छात्र अंदर चले गए—वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा
(i) घंटी बजी और छात्र अंदर चले गए।
(ii) छात्र अंदर चले गए और घंटी बज गई।
(iii) घंटी बजते ही छात्र अंदर चले गए।
(iv) जैसे ही घंटी बजी वैसे ही छात्र अंदर चले गए।

(घ) आश्रित उपवाक्य के कितने भेद हैं?
(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार

(ङ) जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल पाओगे। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)
(i) संज्ञा उपवाक्य
(ii) विशेषण उपवाक्य
(iii) क्रियाविशेषण उपवाक्य
(iv) प्रधान उपवाक्य

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) हम रातभर कैसे जागेंगे? वाक्य का भाववाच्य में रूप होगा
(i) हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा?
(ii) हम रातभर किस प्रकार जागेंगे?
(iii) रातभर जागेंगे हम कैसे?
(iv) रातभर कैसे जागेंगे हम?

(ख) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का वाक्य होगा
(i) तानसेन संगीत सम्राट कहे जाते हैं।
(ii) तानसेन संगीत सम्राट कहलाते हैं।
(iii) संगीत सम्राट तानसेन कहे जाते हैं।
(iv) संगीत सम्राट तानसेन कहलाये जाते हैं।

(ग) उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया—वाक्य का कर्तृवाच्य में उचित रूप होगा।
(i) उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(ii) उनसे कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(iii) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।
(iv) उन्होंने सम्मान किया कैप्टन की देशभक्ति का।

(घ) माँ ने अवनि को पढ़ाया—वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा—
(i) माँ अवनि को पढ़ाती हैं।
(ii) अवनि माँ द्वारा पढ़ती है।
(iii) माँ द्वारा अवनि को पढ़ाया गया।
(iv) पढ़ाया माँ ने अवनि को।

(ङ) उसके द्वारा नीतिवचन कहे गए। (वाच्य भेद लिखिए)
(i) कर्तृवाच्य (ii) भाववाच्य
(iii) कर्मवाच्य (iv) वाच्य

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) आज समाज में विभीषणों की कमी नहीं है—वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद—परिचय होगा—
(i) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
(ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
(iii) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
(iv) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(ख) रात में देर तक बारिश होती रही— वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद-परिचय होगा—
(i) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(ii) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(iii) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(iv) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ग) हर्षिता निबंध लिख रही है—वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद-परिचय होगा—
(i) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(ii) द्विकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(iii) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।
(iv) प्रेरणार्थक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(घ) इस पुस्तक में अनेक चित्र हैं - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद-परिचय होगा
(i) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'-विशेष्य का विशेषण।
(ii) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'-विशेष्य का विशेषण।
(iii) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'-विशेष्य का विशेषण।
(iv) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'-विशेष्य का विशेषण।

(ङ) उसने कहा कि वह कल जाएगा - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद-परिचय होगा
(i) सर्वनाम, प्रथमपुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(ii) सर्वनाम, मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(iii) सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(iv) सर्वनाम, अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) श्रृंगार रस के भेद हैं—
(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार

(ख) करुण रस का स्थायी भाव होगा—
(i) शोक (ii) उत्साह
(iii) रति (iv) भय

(ग) अद्भुत रस का स्थायी भाव होगा—
(i) क्रोध (ii) वात्सल्य
(iii) जुगुप्सा (iv) विस्मय

(घ) सिक्के यूँ मत फेंकिए, प्रभु पर हे यजमान !
बड़ा-सा नोट चढ़ाइए, तब होगा कल्यान।।
पंक्ति में प्रयुक्त रस है—
(i) हास्य (ii) अद्भुत
(iii) शांत (iv) भक्ति

(ङ) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?
(i) शांत रस (ii) करुण रस
(iii) वीर रस (iv) रौद्र रस

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

अंक-14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 5 = 5)**

जैसा कि कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फ़ौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी यश्मा तो था, लेकिन संगरमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैल गई। यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल!

(क) मूर्ति की ऊँचाई कितनी थी?
(i) एक फुट (ii) दो फुट
(iii) तीन फुट (iv) चार फुट

(ख) नेताजी ने कौनसी वर्दी पहली हुई थी?
(i) फौजी (ii) नारंगी
(iii) पीली (iv) लाल

(ग) 'इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास लगा'—वाक्य में किस प्रयास की ओर संकेत किया गया है?
(i) नेताजी की मूर्ति की ओर
(ii) नेताजी की वर्दी की ओर
(iii) नेताजी की टोपी की ओर
(iv) नेताजी के पत्थर की ओर

(घ) हालदार साहब के मुख पर कौतुक भरी मुस्कान क्यों फैल गई?
(i) मूर्ति की आँखों पर असली का चश्मा देखकर
(ii) मूर्ति को देखकर
(iii) मूर्ति के पत्थर को देखकर
(iv) मूर्ति की वर्दी को देखकर

(ङ) मूर्ति किसकी बनी हुई थी?
(i) संगमरमर की (ii) पीतल की
(iii) स्वर्ण की (iv) रजत की

8. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 2 = 2)**

(क) पानवाले के द्वारा कैप्टन को लंगड़ा कहना हालदार साहब को बुरा क्यों लगा?
(i) क्योंकि अपंग होते हुए भी वह देशभक्ति की भावना रखता था।
(ii) क्योंकि उन्हें मजाक पसंद नहीं था।
(iii) क्योंकि उसे मूर्ति पर चश्मा लगाना अच्छा नहीं लगता था।
(iv) क्योंकि उन्हें मजाक पसंद नहीं था।

(ख) बालगोबिन भगत का बेटा कैसा था?
(i) सुस्त
(ii) बोदा
(iii) केवल विकल्प (i) सही है।
(iv) विकल्प (i) व (ii) सही हैं।

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 5 = 5)**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥
देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधे पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें॥
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥

(क) काव्यांश के रचयिता कौन हैं?
(i) सूरदास (ii) तुलसीदास
(iii) नरहरिदास (iv) यशपाल

(ख) लक्ष्मण हँसते हुए किस पर व्यंग्य बाण कस रहे हैं?
(i) राजाओं पर (ii) स्वयं पर
(iii) परशुराम पर (iv) जनक पर

(ग) काव्यांश में 'कुम्हडबतिया' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(i) लक्ष्मण के लिए (ii) राम के लिए
(iii) परशुराम के लिए (iv) निर्बल के लिए

(घ) परशुराम बार-बार लक्ष्मण को क्या दिखा कर डरा रहे थे?
(i) धनुष (ii) फरसा
(iii) क्रोध (iv) रौद्र

(ङ) 'अहो मुनीसु महाभट मानी'-पंक्ति में महाभट का प्रयोग किस सन्दर्भ में किया गया है?
(i) व्यंग्य के (ii) हास्य के
(iii) क्रोध के (iv) दुःख के

10. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 2 = 2)**

(क) शिवधनुष के टूटने पर कौन क्रोधित हुआ था?
(i) परशुराम (ii) विश्वामित्र
(iii) जनक (iv) वशिष्ठ

(ख) सूरदास के पद कहाँ से लिए गए हैं?
(i) सूरसागर से (ii) सूरसारावली से
(iii) साहित्यलहरी से (iv) सूरसमय से

SOLUTION
SAMPLE PAPER - 3

खंड 'क'
अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

1. (क) *(i) बोलने की पटुता।*

व्याख्यात्मक हल—बोलने की पटुता को व्यक्ति की शोभा और आकर्षण बताया गया है क्योंकि ऐसा व्यक्ति ही अपनी विशेषताओं से लोगों का मन मोह लेता है।

(ख) *(ii) अपनी बात अकारण खींचने वाले से।*

व्याख्यात्मक हल—अपनी बात अकारण खींचने वाले और विषय से हटकर बोलने वाले व्यक्तियों के प्रति लोगों के मन में कोई उत्साह नहीं रहता इसलिए इस प्रकार के व्यक्तियों से लोग ऊब जाते हैं।

(ग) *(iv) वाणी का तप।*

(घ) *(i) हमारी प्रतिभा और तेज कुंद हो जाता है।*

(ङ) *(ii) वाणी का तप।*

अथवा

(क) *(iii) मनुष्यत्व की राक्षसत्व पर विजय।*

(ख) *(i) कालजयी।*

व्याख्यात्मक हल—'रामचरितमानस' हिंदी साहित्य की कालजयी रचना है क्योंकि इसमें वर्णित चरित्र, घटनाएँ और उद्देश्य महान और सर्वहित के लिए हैं।

(ग) *(ii) क्योंकि उन्होंने रामचरितमानस की रचना अवधी भाषा में की थी।*

व्याख्यात्मक हल—काशी के पंडितों का विचार था कि रामकथा देववाणी संस्कृत में ही लिखी जानी चाहिए थी , न कि किसी लोकभाषा में इसलिए उन्होंने तुलसीदास जी को बहुत धिक्कारा था।

(घ) *(iv) सगुण।*

व्याख्यात्मक हल—तुलसी ने ईश्वर के साकार रूप की भक्ति की इसलिए वे सगुण भक्ति के उपासक कहे गए।

(ङ) *(i) ता।*

व्याख्यात्मक हल—*'उदारता' शब्द में 'उदार' मूल शब्द और 'ता' प्रत्यय है।*

2. (क) *(i) जीवन में आने वाली विघ्न-बाधाओं का।*

(ख) *(ii) संघर्षशील रास्ते को।*

(ग) *(iii) संसार की बाधाओं को।*

व्याख्यात्मक हल—जिस प्रकार दीवार मार्ग में रुकावट बन जाती है उसी प्रकार संसार की बाधाएँ व्यक्ति को आगे बढ़ने से रोकती हैं।

(घ) *(i) कवि साहसी और संघर्षशील है।*

(ङ) *(ii) द्वंद्व समास।*

अथवा

(क) *(iii) सर्वसहा।*

व्याख्यात्मक हल—धरती अत्यंत सहनशील है। वह बिना कुछ कहे सब कुछ सहती रहती है इसलिए उसे सर्वसहा कहा गया है।

(ख) *(i) मानवीयता से भरपूर आदमी।*

(ग) *(iv) गंदगी बरसाने वाले थैले से।*

(घ) *(ii) प्राण प्रदान करने वाला।*

(ङ) *(iii) किसी को प्यार करने का समय नहीं।*

खंड 'ख'
व्यावहारिक व्याकरण

3. (क) *(i) जब अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तब उसका उत्साह बढ़ गया।*

व्याख्यात्मक हल—मिश्र वाक्य में एक वाक्य प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है। इस वाक्य में 'उसका उत्साह बढ़ गया' प्रधान वाक्य है।

(ख) *(ii) मिश्र वाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—मिश्र वाक्य में एक वाक्य प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है। इस वाक्य में 'जो ईमानदार है' उपवाक्य है।

(ग) *(iii) घंटी बजते ही छात्र अंदर चले गए।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(घ) *(iii) तीन।*

व्याख्यात्मक हल—आश्रित उपवाक्य के तीन भेद होते हैं-संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

(ङ) *(ii) विशेषण उपवाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—यहाँ 'जैसा' शब्द 'कर्म' संज्ञा की विशेषता बता रहा है। अत: यही सही उत्तर है।

4. (क) *(i) हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा?*

व्याख्यात्मक हल—भाववाच्य में परिवर्तित करते समय क्रिया को एकवचन, पुल्लिंग में परिवर्तित कर दिया जाता है और भाव की प्रधानता रखी जाती है।

(ख) *(ii) तानसेन संगीत सम्राट कहलाते हैं।*

(ग) *(iii) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।*

व्याख्यात्मक हल—कृतवाच्य में वाक्य की क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है और यहाँ कर्ता के साथ लगे हुए 'द्वारा' को हटा दिया जाता है।

(घ) *(iii) माँ द्वारा अवनि को पढ़ाया गया।*

व्याख्यात्मक हल—कर्मवाच्य में परिवर्तन करते समय कर्ता के साथ 'से' या 'द्वारा' लगाया जाता है और क्रिया को कर्म के अनुसार परिवर्तित किया जाता है।

(ङ) *(iii) कर्मवाच्य।*

5. (क) *(i)* जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

(ख) *(ii) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।*

(ग) *(iii) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।*

(घ) *(iv) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र'-विशेष्य का विशेषण।*

(ङ) *(i) सर्वनाम, प्रथमपुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।*

6. (क) *(ii)* दो।

व्याख्यात्मक हल—शृंगार रस के दो भेद हैं-संयोग शृंगार रस और वियोग शृंगार रस।

(ख) *(i) शोक।*

(ग) *(iv) विस्मय।*

(घ) *(i) हास्य।*

(ङ) *(iii) वीर रस।*

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

7. (क) *(ii) दो फुट।*

(ख) *(i) फौजी।*

(ग) *(i) नेताजी की मूर्ति की ओर।*

व्याख्यात्मक हल—यहाँ नेताजी की मूर्ति लगने के प्रयास को सराहनीय कहा गया है।

(घ) *(i) मूर्ति की आँखों पर असली का चश्मा देखकर।*

व्याख्यात्मक हल—*मूर्ति की आँखों पर पत्थर का चश्मा नहीं था बल्कि उसके स्थान पर असली का चश्मा था, जिसे देखकर हालदार साहब के मुख पर कौतुक भरी मुसकान फैल गई।*

(ङ) *(i) संगमरमर की।*

व्याख्यात्मक हल—*कस्बे के चौराहे पर लगी हुई मूर्ति सफेद संगमरमर की बनी हुई थी।*

8. (क) *(i) क्योंकि अपंग होते हुए भी वह देशभक्ति की भावना रखता था।*

(ख) *(iv)* (i) व (ii) *सही हैं।*

व्याख्यात्मक हल—*बालगोबिन भगत का बेटा सुस्त और बोदा था इसलिए वे उसका अधिक ख्याल रखते थे।*

9. (क) *(ii) तुलसीदास।*

व्याख्यात्मक हल—काव्यांश तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस से लिया गया है।

(ख) *(iii) परशुराम पर।*

व्याख्यात्मक हल—श्रीराम द्वारा शिवधनुष टूटने पर परशुराम अत्यंत क्रोधित होते हैं उन्हें देखकर लक्ष्मण उन पर व्यंग्य बाण कस रहे हैं।

(ग) *(iv) निर्बल के लिए।*

(घ) *(ii) फरसा।*

(ङ) *(i) व्यंग्य के।*

10. (क) *(i) परशुराम।*

व्याख्यात्मक हल—शिवधनुष के टूटने पर परशुराम अत्यंत क्रोधित हुए थे क्योंकि वे परम शिवभक्त थे।

(ख) *(i) सूरसागर से।*

व्याख्यात्मक हल—सूरदास के पद सूरसागर के 'भ्रमरगीत' से लिए गए हैं।